

न्यायालय- माननीय राजस्व मण्डल , ग्वालियर , लिंक सागर म०प्र०

प्रकरण क्र०- शिवरानी 2390-I-15 -सन्

अवध बिहारी शर्मा तनय श्री भूरेराम शर्मा, आयु ६० साल
निवासी- ग्राम तलेहा , तहसील गुनौर, जिला पन्ना म०प्र०

..... आवेदक/अपीलार्थी. *शिवरानी*

// बनाम //

मध्य प्रदेश शासन

द्वारा- खनिज निरीक्षक पन्ना, जिला पन्ना म०प्र०

.....अनावेदक/प्रतिअपी०

आवेदन/अपील अन्तर्गत धारा-57 म०प्र०भू-रा० संहिता 1959

विरुद्ध आदेश अधीनस्थ न्यायालय श्रीमान आयुक्त महोदय सागर

संभाग, सागर म०प्र० के रा० अपील प्र०क्र०- 190 अ-67/ वर्ष

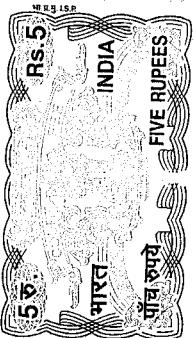
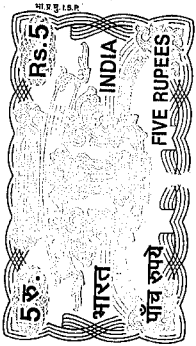
2014-15 आदेश दिनांक- 8.1.2015 से द्रुष्टि होकर ।

आवेदक/अपीलार्थी की ओर से निम्न लिखित प्रार्थना है :-

1. यह कि, प्रकरण संक्षेप में इस प्रकार है कि, आवेदक/अपीलार्थी के नाम कार्यालय कलेक्टर खनिज शाखा पन्ना से फर्सी पत्थर उत्खनन पट्टा दिनांक- 18.5.2008 से 17.3.2018 तक के लिए स्वीकृत था । अधीनस्थ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी महोदय राजस्व पवर्ड, जिला पन्ना के समक्ष खनिज निरीक्षक के द्वारा इस आशय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया कि, आवेदक/अपीलार्थी के द्वारा ग्राम जूड़ी मड़यन के खसरा नं. 350 रकबा - 0.10 हे० में अवैध फर्सी पत्थर का उत्खनन किया गया है तथा कार्यवाही हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया । अधी० न्या० अनु० अधी० द्वारा प्रकरण में उक्त आवेदक/अपीलार्थी के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी किया गया एवं इसके उपरांत प्रकरण में आवेदक/अपीलार्थी के द्वारा कारण बताओ नोटिस का जबाब प्रस्तुत किया एवं इसके उपरांत प्रकरण में साक्ष्य ली जाकर उक्त

.....2.

शिवरानी तलेहा
शिवरानी तलेहा
15-7-15 को चलाया
शिवरानी तलेहा
15-7-18



राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक R. 23901.F. 115... जिला पत्रा.....

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
4-9-15	<p>प्रकार में आवेक आदेशों के संनय ले लिए। प्रकार में आवेक आदेशों को चुना गया। आवेदक आदेशों द्वारा अपने तर्कों में निगामी में ही में अंकित : विद्वेषों को ही अन्य करते हुए निगामी ग्राह्य को ही का निवेदन किया गया। अधीनस्थ -मायालय के आदेश दिनांक 8-1-15 की प्रभावी परि का अपेक्षा किया गया, प्रकार में अग्र अग्रुक्त द्वारा आवेक आदेश में स्पष्ट विवेचना की गई है कि प्रकार में आवेक स्वयं अपील कर रहा था वही निगामी में पारित आदेश के अनजान रहना मान्य - ही है इस आधार पर निवेदन माफी का आवेदन निस्त किया गया था। प्रकार में अपेक्षा तर्कों के प्रकार में ग्राह्यता का फर्क आधार न होने से प्रकार अग्राह्य किया जात है। पक्षकार व्यक्ति से।</p> <p style="text-align: right;">[क. प. उ.]</p>	